

113  
**Nh**  
Nihonium  
[286]

### Key Properties

Atomic Mass	[286]
Category	unknown-properties
State at 20°C	solid
Melting Point	null
Boiling Point	null
Density	16*
Electron Config	[Rn] 5f146d107s27p1
Electronegativity	null
Year Discovered	2003
Discovered By	RIKEN

### Did You Know?

- 1 यह किसी एशियाई देश में खोजा गया पहला रासायनिक तत्व है।
- 2 इसका नाम जापान के सामान्य जापानी नाम 'निहोन' के नाम पर रखा गया है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'उगते सूरज की भूमि'।
- 3 यह खोज जापान में RIKEN अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा की गई थी।
- 4 इसके सबसे स्थिर ज्ञात आइसोटोप का आधा जीवन लगभग 20 सेकंड है।
- 5 यह बोरॉन, एल्युमीनियम, गैलियम, इंडियम और थैलियम से नीचे समूह 13 में है।

#### APPEARANCE

निहोनियम एक सिंथेटिक, अत्यधिक रेडियोधर्मी तत्व है।

#### SUPERHERO PERSONA

"उगता हुआ सूरज, किसी एशियाई देश में खोजा जाने वाला पहला नायक।"

#### EVERYDAY CONNECTION

निहोनियम का कोई रोजमर्रा का संबंध नहीं है, इसका उपयोग केवल अनुसंधान में किया जाता है।

#### POP CULTURE

निहोनियम की खोज जापान के लिए राष्ट्रीय गौरव का एक प्रमुख बिंदु थी।

## निहोनियम (Nh): जापान की अतिभारी धातु

निहोनियम एक कृत्रिम, अत्यधिक रेडियोधर्मी धातु है। इसके अब तक केवल कुछ ही परमाणु बने हैं, और वे लगभग तुरंत ही लुप्त हो जाते हैं। 113 परमाणु क्रमांक के साथ, यह अतिभारी तत्वों के समूह से संबंधित है। इसका नाम निहोन से आया है—जापान के लिए जापानी शब्दों में से एक—उस देश के सम्मान में जहाँ इसे पहली बार बनाया गया था।

### एक मानव निर्मित तत्व

निहोनियम प्राकृतिक रूप से मौजूद नहीं है। इसे केवल एक प्रयोगशाला में एक भारी आयन त्वरक का उपयोग करके बनाया जा सकता है। पहले सफल प्रयोग में बिस्मथ-209 के परमाणुओं पर जिक-70 नाभिकों की बमबारी शामिल थी। जब दोनों संलयित हुए, तो उन्होंने एक बिल्कुल नए तत्व—निहोनियम—का एक परमाणु बनाया।

### जैविक भूमिका और उपयोग

क्योंकि निहोनियम अत्यंत दुर्लभ और अस्थिर है (इसका सबसे स्थिर समस्थानिक क्षय होने से पहले एक सेकंड से भी कम समय तक रहता है), वैज्ञानिक अनुसंधान के अलावा इसका कोई व्यावहारिक उपयोग नहीं है। भौतिक विज्ञानी अतिभारी तत्वों के बारे में अधिक जानने और आवर्त सारणी की सीमाओं का पता लगाने के लिए इसका अध्ययन करते हैं। निहोनियम की जीवित प्राणियों में कोई भूमिका नहीं है और इसकी तीव्र रेडियोधर्मिता के कारण इसे विषैला माना जाता है।

### खोज का इतिहास

निहोनियम की खोज जापानी विज्ञान के लिए एक गौरवशाली क्षण था:

2004: जापान में RIKEN निशिना सेंटर फॉर एक्सेलेरेटर-बेस्ड साइंस में कोसुके मोरीता के नेतृत्व में एक टीम ने पहली बार निहोनियम के परमाणुओं का निर्माण और पता लगाया।

2015: इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री (IUPAC) ने इस खोज की पुष्टि की।

2016: इस तत्व का आधिकारिक नाम निहोनियम रखा गया, जिससे यह जापान के नाम पर रखा गया पहला तत्व बन गया।